एम ए एस ओ

समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम

प्रथम वर्ष

एम.ए. समाजशास्त्र

जनवरी 2026 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों हेतु

एवं

जुलाई 2026 एवं जनवरी 2027 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों हेतु

एमएसओई 110 : **नगरीकरण एवं नगरीय विकास**

समाजशास्त्र संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110068

पाठ्यक्रम कोड : एमएएसओ
सत्रीय कार्य कोड : एमएसआई-110 / सत्रीय कार्य / टीएमए/ 2026-27

प्रिय विद्यार्थी,

समाजशास्त्र मेंस्नातकात्तर उपाधि कार्यक्रम (एम.ए. समाजशास्त्र) के सदंर्भ में कायर्क्रम दर्शिका में हमन बताया है कि समाजशास्त्र के प्रत्येक पाठयक्रम के लिए आपको एक ***अध्यापक*** जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए) पूरा करना होगा।

इन सत्रीय कार्यों में प्रश्न पूछने का अर्थ आपकी योग्यता का पता लगाना है कि आप प्रश्न का वर्णन, विश्लेषण एवं आलोचनात्मक दृष्टि से इसे कैसे स्पष्ट करते हैं और इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि आपको विषयवस्तु की संपूर्ण जानकारी हैं और आप इस पर क्रमबद्ध एवं संसक्त ढंग से लिख सकते हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य में कुल मिलाकर दस प्रश्न हैं और यह दो भागों में विभाजित है। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न शामिल हैं।

प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में दें। हमारा परामर्श है कि इन सत्रीय प्रश्नों को अपने सहपाठी तथा अकादमिक परामर्शदाता से चर्चा करके लिखने का प्रयास करें। जरूरी है कि आप सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें।

सत्रीय कार्य पूरा करके संबद्ध अध्ययन केंद्र के संयोजक को इसे निम्नलिखित समय–सूची के अनुसार भेज दें :

सत्रीय कार्य	**जमा कराने की तारीख**	**किसे भेजें**
जनवरी 2026 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी	**30 सितम्बर, 2026**	**संबद्ध अध्ययन केन्द्र का संयोजक**
जुलाई **2026 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी**	**31 मार्च, 2027**	
जनवरी 2027 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी	**30 सितम्बर, 2027**	

जमा कराए गए सत्रीय कार्य के लिए अध्ययन केंद्र से रसीद अवश्य लें और इसे अपने पास रखें। यदि संभव हो तो सत्रीय कार्यों की प्रतिलिपि अवश्य रखें। मूल्यांकन के बाद अध्ययन केंद्र द्वारा सत्रीय कार्यों को लौटाना होगा। कृपया इसके लिए आग्रह करें। अध्ययन केंद्र को मूल्यांकन के बाद अंक, विद्यार्थी पंजीकरण एवं मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को भेजना ज़रूरी होता है।

सत्रीय कार्य करते समय कुछ ज़रूरी बातों को ध्यान में रखना

सत्रीय कार्य करते समय निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना उपयोगी होगा :

1 **नियोजन :** सत्रीय, कार्यों को सावधानी से पढ। इनसे जुड़ी इकाइयों का अध्ययन भलीभाँति करें। प्रत्येक प्रश्न से जुड़े उपयोगी बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित करें और फिर उन्हें तार्किक दृष्टि से क्रमबद्ध करें।

2 **व्यवस्थापन** : पक्का उत्तर लिखने से पहले कच्चा कार्य करें और फिर उत्तर लिखें। प्रारंभिक और अंतिम भाग की ओर पर्याप्त ध्यान दें।

3 **प्रस्तुति** : अपने उत्तर से संतुष्ट हों तो जमा कराने के नज़रिए से पक्का उत्तर लिखें। उत्तर साफ–साफ लिखें और जरूरी बिदुओं को रेखांकित करें। प्रत्येक उत्तर निर्धारित सीमा में होना आवश्यक है।

शुभकामनाओं सहित!

कार्यक्रम संयोजक
एम.ए.समाजशास्त्र
समाजशास्त्र संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इग्नू, मैदान गढी, नई दिल्ली–110068

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में ऐच्छिक पाठ्यक्रम

एमएसओइ 110 : नगरीकरण एवं नगरीय विकास

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

कुल अंक : 100 | **कार्यक्रम कोड : एमएएसओ**
अधिभारिता : 30% | **पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.ओ.इ–110**
सत्रीय कार्य कोड : एम.एस.ओ.इ–110/सत्रीय कार्य/टीएमए/2026–2027

किन्हीं पाँच प्रश्नों (प्रत्येक) का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

		अंक
1.	भारत में नगरीकरण के परिवर्तित प्रतिरूपों का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। अपने उत्तर में नगरीकरण के स्तर, नगरों की श्रेणीवार वृद्धि तथा राज्यों के बीच विद्यमान भिन्नताओं का विशेष संदर्भ दीजिए।	20
2.	नगरीय समाजशास्त्र में *पड़ोस* (Neighbourhood) की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। नगरीय क्षेत्रों में सामाजिक पहचान, सामाजिक अंतःक्रिया तथा सामुदायिक संगठन के निर्माण में इसकी भूमिका की चर्चा कीजिए।	20
3.	समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए कि नगरीय विस्तार ने ग्रामीण भारत के सामाजिक-आर्थिक जीवन तथा पारंपरिक व्यावसायिक संरचना को किस प्रकार रूपांतरित किया है।	20
4.	नगरीय भारत के औपचारिक (Formal) तथा अनौपचारिक (Informal) क्षेत्रों के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। नगरीय रोजगार की प्रकृति को समझने में इस विभाजन के महत्व की चर्चा कीजिए।	20
5.	भारत में नगरीय निर्धनता की प्रकृति एवं विभिन्न आयामों की व्याख्या कीजिए। इसकी निरंतरता के लिए उत्तरदायी प्रमुख कारकों की चर्चा कीजिए।	20
6.	भारत की झुग्गी-बस्तियों की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। झुग्गी-बस्तियों से संबंधित सामाजिक-आर्थिक एवं पर्यावरणीय चुनौतियों की चर्चा कीजिए।	20
7.	सतत् नगरीय विकास की चुनौतियों के विशेष संदर्भ में पर्यावरणीय गुणवत्ता पर नगरीकरण के प्रभाव का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।	20
8.	भारत में नगरीय स्थानीय शासन के विकासक्रम का अनुशीलन कीजिए। **74वें संविधान संशोधन** के पश्चात नगरीय शासन में इसकी भूमिका का मूल्यांकन कीजिए।	20
9.	भारत में नगरीय नियोजन के प्रमुख उद्देश्यों एवं सरोकारों की चर्चा कीजिए। समकालीन नगरीय चुनौतियों के समाधान में इसकी भूमिका का परीक्षण कीजिए।	20
10.	समकालीन नगरीय शासन में मीडिया की भूमिका की व्याख्या कीजिए। पारदर्शिता, जनभागीदारी तथा नगरीय विकास में उसके योगदान का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।	20